प्रस्तावना

बेंगलूर में स्थित केंद्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती अभियंत्रिकी संस्थान (कें.म.त.इं.सं),भारत सरकार कृषि मंत्रालय, पशुपालन ,डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है। इस संस्थान को देश के भीतर मछली उद्योग के बंदरगाहों के विकास के लिए तकनीकी एवं आर्थिक साध्यता से संबंधित अध्ययन करने एवं रिपोर्ट तैयार करने के जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वार्षिक रिपोर्ट में, संस्थान द्वारा वर्ष 2009-2010 के दौरान किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और हासिल की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

इस वार्षिक रिपोर्ट में संस्थान के प्रशासनिक वित्तीय और तकनीकी गतिविधियों के बारे में जानकारियां उपलब्ध है।

1.0 केंं.म.त.इं.सं- एक विहंगम दृष्टि

1.1 भूमिका

संस्थान की स्थापना जनवरी 1968 को भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संस्थान (FAO/UN) के सहयोग से, मात्स्यिकी बंदरगाहों की निवेश पूर्व सर्वेक्षण के रुप में हुई। इस संस्थान की स्थापना का मूल उद्देश्य भारत के समुद्री तटों पर स्थित योग्य स्थानों में मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए, इंजीनियरी एवं आर्थिक अन्वेषण करना, तकनीकी एवं आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना तथा यांत्रिक नौकाओं के लिए मात्स्यिकी बंदरगाह की सुविधा उपलब्ध कराना था। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एव कृषि संगठन की सहायता समाप्त होने के पश्चात संस्थान को, स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी (SIDA) से उपकरण एवं विशेषज्ञ परामर्श के रुप में, जनवरी 1974 से लेकर दो साल तक की अवधि के लिए तकनीकी सहायता प्राप्त हुई। अगस्त 1983 में इसे "केंद्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजीनियरी संस्थान" के रुप में पुनर्नामकरण किया गया। विशेषज्ञों द्वारा और विकसित किए जाने के पश्चात 1983 से लेकर संस्थान द्वारा उसकी परियोजनाओं के अंतर्गत, भारत के तटवर्ती क्षेत्र में जल कृषि इंजीनियरी एवं खारा पानी झींगी फार्मों की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। संस्थान को तटवर्ती जल संवर्धन झींगी फार्मो के विकास के लिए 1986 से 1991 तक UNDP/FAO से उपकरण तथा परामर्श के रुप में सहायता प्राप्त हुई। उक्त अवधि के दौरान चार मार्गदर्शी खारापानी फार्म एवं एक झींगी बीज अंडज उत्पादन शाला का विकास किया गया ।

1992 से 2000 तक की अवधि के दौरान केंद्रीय एजेंन्सी के रुप में संस्थान ने, पश्चिम बंगाल, उडीसा और आंध्र प्रदेश राज्यों में विश्व बैंक से सहायता प्राप्त, खारापानी झींगी कृषि परियोजना को कार्यान्वित किया है। विश्व बैंक से सहायता प्राप्त खारा पानी झींगी कृषि परियोजनाओं के अंतर्गत, संस्थान द्वारा कुल 9,640 हेक्टर क्षेंत्र के 13 स्थानों का सर्वेक्षण और उनका अव-मृदा परीक्षण किया गया। उनमें से 10 स्थानों के कुल 3,826 हेक्टर उत्पादक तालाब क्षेत्र के लिए संस्थान द्वारा तकनीकी आर्थिक रिपोर्ट तैयार किया गया। पश्चिम बंगाल के दिघा, कैन्निंग एवं दिघिरपुर तथा आंध्र प्रदेश के भैरवपालम झींगी फार्मों में प्रायोगिक मत्स्य कृषि भी की गई।

मार्च 2010 के अंत तक संस्थान ने 78 स्थानों में मात्स्यिकी बंदरगाहों/ मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए अन्वेषण किया, तथा उनमें से 77 स्थानों के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार की है। संस्थान द्वारा केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अधीन, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, निर्माणाधीन मात्स्यिकी बंदरगाहों/मछली उतारने के केंद्रों की प्रगति की निगरानी की जाती है तथा परियोजनाओं के तकनीकी-आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करने में एवं उसके कार्यान्वयन में तटवर्ती राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाता है।

1.2 संगठन

संस्थान के प्रधान निदेशक है और इस संस्थान के लिए स्वीकृत अधिकारी / कर्मचारियों की संख्या 47 है, इनमें तकनीकी तथा प्रशासनिक कर्मचारी शामिल है। पदों का ब्यौरा इस प्रकार है:

समूह	योजनेतर	
	तकनीकी	गैर-तकनीकी
क	10	-
ख (राजपत्रित)	03	01
ख(अराजपत्रित)	05	-
ग	11	12
घ	01	04
कुल	30	17

संस्थान में इंजीनियरों एवं अर्थशास्त्रियों के सम्मिश्रित समूह कार्यरत है, जिन्हे मत्सयकीय बंदरगाह और खारापानी झींगी फार्मों के विकास के लिए स्थान पहचानने की दिशा में, अपेक्षित निवेश पूर्व अध्ययन करने, तकनीकी अर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करने, परियोजना एवं अन्य सहायक सुविधाओं के लिए विस्तृत निर्माण योजना बनाने में विशिष्ट ज्ञान और व्यापक अनुभव प्राप्त है। मात्स्यिकी बंदरगाहों के लिए अन्वेषण किए गए स्थान एवं संस्थान की संगठन चार्ट संलग्न है।

1.3 अधिदेश

मात्स्यिकी बंदरगाहों, तटीय जल कृषि फार्मों तथा हैचरियें के विकास संबंध में इस संस्थान का उद्देश्य इस प्रकार है:

1.3.1 मात्स्यिकी पत्तन

- मात्स्यिकी पत्तनों के विकास के लिए योग्य स्थान खेज निकालने के लिए टोही सर्वेक्षण /साध्यता पूर्व अध्ययन करना तथा अनुवर्ती कार्य के रुप में विस्तृत इंजीनियरी और आर्थिक अनुसंधान करना एवं तकनीकी आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना।
- मात्स्यिकी पत्तनों तथा सहायक सुविधाएं आदि के लिए प्रारंभिक निर्माण योजना तैयार करना।
- जहाँ अपेक्षित हो, मात्स्यिकी पत्तनों तथा मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए अपेक्षानुसार, तकरनीकी एवं आर्थिक सलाह देना।
- कृषि मंत्रालय के सहायोग के साथ, केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत, निर्माणाधीन मात्स्यिकी पत्तनों की प्रगति की निगरानी करना।

1.3.2 तटीय जल कृषि फार्म एवं हैचरी

आर्थिक एवं इंजीनियरी अन्वेषण करना, उचित डिज़ाईन तैयार करना और तकनीकी-आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना।

2.0 संस्थान के क्रिया कलाप

2.1 2009-10 के दौरान उपलब्धियाँ

2.1.1 इंजीनियरी एवं आर्थिक अन्वेषण

- कर्नाटक के उत्तर कन्नड जिले में, मजली, केनी एवं मंजुगुनी साईट में मछली उतारने के केंद्रों के विकास हेतु मछली उद्योग विभाग के अधिकारियों के साथ साईट का अन्वेषण किया।
- एफएओ/टीसीपी के अधीन धामरा मत्स्यकी पत्तन के नवीकरण करने हेतु, गहन विकास योजना तैयार करने के संबंध में धामरा मात्स्यिकी पत्तन का दौरा किया गया।

2.1.2 तकनीकी- आर्थिक साध्यता रिपोर्ट (टीईएफआर)

- कर्नाटक के कुलाई एनएमपीटी मित्स्यकी पत्तन पर साध्यता पूर्व रिपोर्ट तैयार की गई और उसे जारी कर दिया गया।
- उड़िसा के धामरा के लिए गहन विकास योजना तैयार करके जारी की गई।
- निम्नलिखित मात्स्यिकी पत्तनों के विकास के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करके प्रस्तुत करके पेश किया गया ।
    1. संघशासित पुदुचेरी में यानम।
    2. संघाशासित यानम मित्स्यकी पत्तन के लिए संशोधित साध्यता रिपोर्ट।
- निम्नलिखित मात्स्यिकी पत्तनों के विकास के लिए रिपोर्ट का मसौदा तैयार करके पेश किया गया:
    1. महाराष्ट्र के सस्सून बंदरगाह के लिए गहन विकास योजना का मसौदा तैयार किया गया।
    2. कर्नाटक के मंगलूर मात्स्यिकी बंदरगाह के लिए गहन विकास योजना का मसौदा तैयार किया गया।
    3. कर्नाटक के मल्पे मात्स्यिकी बंदरगाह के लिए गहन विकास योजना का मसौदा तैयार किया गया।
    4. कर्नाटक के होन्नावर स्टेज-।। मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास हेतु रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया गया।
    5. महाराष्ट्र के कारंजा मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास हेतु रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया गया।
    6. उडिस्सा के भद्रक जिले में चूडामणी मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास हेतु रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया गया।

- राष्ट्रीय मत्स्य पालन विकास बोर्ड (एनएफडीबी) की वित्तीय सहायता के अधीन निम्नलिखित मत्स्यकी बंदरगाहों / मछली उतारने के केंद्रों के आधुनिकीकरण / नवीकरण के संबंध में निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करके प्रस्तुत किया गया:
  1. कर्नाटक के कारवार मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण रिपोर्ट।
  2. कर्नाटक के होन्नावर मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण रिपोर्ट।
  3. केरल के कायंकुलम मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण रिपोर्ट।
  4. केरल के मोपला बे मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण रिपोर्ट।
  5. केरल के तोट्टपल्ली मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण रिपोर्ट।

2.1.3 तैयार की जा रही रिपोर्टें

महाराष्ट्र के कारंजा, कर्नाटक के होन्नावर (स्टेज-।।) और उड़िसा के चूडामणी में मात्स्यिकी पत्तनों के विकास के लिए अंतिम तकनीकी-आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

2.1.4 परियोजना प्रस्तावों की जाँच

- एनएफडीबी वित्तीय सहायता के अधीन कर्नाटक के कारवार में बैतकोल मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण परियोजना प्रस्ताव की तकनीकी जाँच की गई।
- केरल के चेत्तुवै मात्स्यिकी बंदरगाह के संशोधित परियोजना लागत अनुमान पर टिप्पणी कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रस्तुत किया।
- एनएफडीबी वित्तीय सहायता के अधीन केरल के पुतियप्पा मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण परियोजना प्रस्ताव की तकनीकी जाँच की गई।
- एनएफडीबी वित्तीय सहायता के अधीन कर्नाटक के होन्नावर मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण / नवीकरण परियोजना प्रस्ताव की तकनीकी जाँच की गई।
- बूट बेसिस के अधीन तमिलनाडु में मुत्तम मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास परियोजना की लागत अनुमान की तकनीकी जाँच की गई।
- अंडमान एवं निकोबर द्वीप समूह में 14 मछली उतारने के केंद्र की पश्चिम बंगाल मात्स्यिकी निगम द्वारा तैयार किए गए संशोधित योजना एवं डिज़ाईन पर, अंडमान एवं निकोबर प्रशासन को टिप्पणी प्रस्तुत की गई।
- एनएफडीबी वित्तीय सहायता के अधीन केरल राज्य के तोट्टपल्ली मछली उतारने के केंद्र के आधुनिकीकरण/नवीकरण की परियोजना प्रस्ताव की तकनीकी जाँच की गई।

- उड़िसा के भद्रक जिले में प्रस्तावित चूडामाणी मात्स्यिकी बंदरगाह की परियोजना की लागत अनुमान की तकनीकी जाँच की गई।

2.1.5 मात्स्यिकी बंदरगाहों एवं मछली उतारने के केंद्रों की निगरानी

संस्थान ने केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अधीन कृषि मंत्रालय द्वारा स्वीकृत निम्नलिखित मात्स्यिकी बंदरगाहों एवं मदली उतारने के केंद्रों के निर्माण की प्रगति की निगरानी की:

- संघशासित पुदुचेरी में कारैकल मात्स्यिकी बंदरगाह।
- उड़िसा में धामरा मात्स्यिकी बंदरगाह का निरीक्षण किया।
- गुजरात में मंगरोल मात्स्यिकी पत्तन का निरीक्षण किया।
- पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनापुर जिले में पेतुअघाट का निरीक्षण कियाएँ

2.1.6 मात्स्यिकी बंदरगाह एवं मछली उतारने के केंद्रों के क्षेत्र का दौरा

- भारत में साफ मात्स्यिकी बंदरगाह पर एफएओ-टीसीपी के अधीन आधुनीकरण के कार्य के प्रगति का निर्धारण करने हेतु, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, के संयुक्त निदेशक (मत्स्य पालन) और एफएओ अधिकारियों के साथ गुजरात के मंगरोल मात्स्यिकी पत्तन का दौरा किया ।
- एनएफडीबी सहायता के अधीन पुतियप्पा मात्स्यिकी बंदरगाह के उन्नयन/ आधुनिकीकरण के प्रस्ताव पर विचार करने हेतु केरल के पुतियप्पा मात्स्यिकी बंदरगाह का दौरा किया।
- एनएफडीबी वित्तीय सहायता के अधीन मात्स्यिकी बंदरगाहों के आधुनिकीकरण / नवीकरण परियोजना प्रस्ताव की जाँच करने हेतु, केरल के मोपला बे, कायंकुलम और तोट्टपल्ली मछली उतारने के केंद्रों का दौरा किया।
- एनएफडीबी सहायता के अधीन मत्स्यकी बंदरगाहों के उन्नयन / आधुनिकीकरण के प्रस्ताव पर विचार करने हेतु कर्नाटक राज्य के कोरवार एवं होन्नावर मात्स्यिकी पत्तन का दौरा किया।
- एनएफडीबी वित्तीय सहायता के साथ आधुनिकीकरण के कार्य की प्रगति की समीक्षा करने हेतु एनएफडीबी के प्रतिनिधि एवं राज्य मत्यकीय विभाग के अधिकारियों के साथ कर्नाटक के कारवार मत्स्यकी बंदरगाह का दौरा किया।
- तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के निर्माणाधीन कोलचेल मात्स्यिकी बंदरगाह का, कोलचेल में कुछ समस्याओं का सामना करने के संबंध में निरीक्षण किया।
-

3.0 मूल्यांकन समिति

- के.म.त.इं.सं के मूल्यांकन के लिए गठित, मूल्यांकन समिति की अंतिम रिपोर्ट के मसौदे को तैयार करके, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय के अध्यक्ष एवं संयुक्त निदेशक (मत्स्यपालन) को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया है।

4.0 सम्मलेन, कार्यशाला एवं प्रशिक्षण

कें.म.त.इं.सं के निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने निम्नलिखित सम्मेलन, कार्यशाला एव प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया:

- तटीय संरक्षण प्रबंधन परियोजनाएँ , सीडब्ल्यूपीआरएस, पुणे में, एशियाई विकास बैंक पीपीटीए के अधीन तटीय सरंक्षण के लिए आयोजन एवं डिज़ाईन के विषय पर आयोजित कार्यशाला।
- भारत सरकार के ,माननीय कृषि, उपभोक्ता मामलें एवं आहार एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री महोदय की अध्यक्षता में उड़िसा के भुबनेश्वर में आयोजित राज्य मत्यकीय मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आईएसएच्च, सीडब्ल्यूपीआरएस, पुणे द्वारा " जलगति, जल स्रोत, एवं तटीय एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग " विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन **हैड्रो 2009** में भाग लिया।
- एनएफडीबी एवं आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा " राष्ट्रीय मत्स्य उत्पादन बढाने की नई कार्यनीति " पर आयोजित संगोष्ठि एवं भारतीय मात्स्यिकी उत्सव 2009 में भाग लिया।
- एफएओ/टीसीपी एवं भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा उड़िसा के भुबनेश्वर में आयोजित " हिस्सेदारी धारक कार्यशाला " में भाग लिया।

5.0 बैठकें

कें.म.त.इं.सं के निदेशक एवं अधिकारियों ने निम्नलिखित बैठको में भाग लिया:

- भारत सरकार, कृषि मंत्रालय , पशुपालन, डेरी व मत्स्यपालन विभाग के संयुक्त निदेशक (मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में मंगरोली मात्स्यिकी बंदरगाह के कार्यन्वयन की प्रगति की समीक्षा करने हेतु , संघशासित दमन एवं दियु के िदयु में संपन्न भारत में साफ मत्स्यकी बंदरगाह पर एफएओ-टीसीपी की छठी बैठक में भाग लिया।
- एनएफडीबी की वित्तीय सहायता के अधीन, वर्तमान में विद्यमान मात्स्यिकी बंदरगाहों / मछली उतारने के केंद्रों के आधुनिकीकरण के संबंध में, विभिन्न तटीय राज्य सरकारों द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावों के तकनीकी मूल्यांकन करने के मामले में इस संस्थान द्वारा तकनीकी सहायता बढाने के मामले में चर्चा करने हेतु एनएफडीबी के मुख्य कार्यपालक, के साथ हैदराबाद में संपन्न बैठक में भाग लिया।
- कन्याकुमारी जिले के कोलचेल में मात्स्यिकी बंदरगाह के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करने हेतु तमिलनाडु सरकार के माननीय पर्यटन एव पंजीकरण मंत्री एवं मत्स्य पालन मंत्री महोदय की अध्यक्षता में चेन्नै में संपन्न बैठक।

- कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली में " भारत में साफ मात्स्यिकी बंदरगाह " पर एफएओ –टीसीपी के कार्यान्वयन की प्रगति की सीमीक्षा करने हेतु आयोजित बैठक में भाग लिया।

- कृषि मंत्रालय नई दिल्ली में, संस्थान की योजना खर्च की समीक्षा करने हेतु आयोजित बैठक में भाग लिया।

- मौजूदा मात्स्यिकी बंदरगाहों के एनएफडीबी की वित्तीय सहायता से आधुनिकीकरण / उन्नयन से संबंधित विषय पर चर्चा करने हेतु हैदराबाद में एनएफडीबी के मुख्य कार्यपालक द्वारा संयोजित बैठक में भाग लिया।

- कर्नाटक के उत्तर कन्नड जिले में मजली, केनी और मंजुगुनी साइट में मात्स्यिकी बंदरगाह / मछली उतारने के केंद्रों के विकास करने के संबंध में राज्य मत्स्य पान विभाग के अधिकारियों के साथ अन्वेषण किया।

- तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में कोलचेल मात्स्यिकी बंदरगाह की साईट की समस्या संबंध में आयोजित बैठक में भाग लिया।

- अंडमान एवं निकोबर द्वीप समूह में 14 मछली उतारने के केंद्र, तथा जेट्टी और जंगलीघाट मछली उतारने के केंद्र के विस्तार करने के संबंध में, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में आयोजित परियोजना निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया।

6.0 आगंतुक

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, तटवर्ती राज्य / संघशासित प्रदेश के निम्नलिखित कई अधिकारियों ने विचार विमर्श, निरीक्षण और बैठकों में भाग लेने के उद्देश्य से संस्थान में पधारे :

कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री जी.मोहन पै, सहायक आयुक्त (मत्स्यपालन)
श्री एल.शंकर, उप आयुक्त (मात्स्यिकी बंदरगाह)

वेतन एवं लेखा कार्यालय, कोच्चि

श्री ए.सेल्वराज, वरिष्ठ लेखा अधिकारी
श्री एम.के.गोपीनाथ, वरिष्ठ लेखाकार
श्री के.विजयकुमार मेनन, लेखाकार

कर्नाटक सरकार

श्री वीरप्पा गौडा, मत्स्यपालन निदेशक
श्री मड्डीकेरी, संयुक्त निदेशक (समुद्र)
श्री उदय शंकर, कार्यकारी अभियंता, पत्तन प्रभाग, कारवार
श्री सुजना चंद्र राव, स.का.अ, पत्तन और
श्री फयादे, स.ट, होन्नावर

पश्चिम बंगाल सरकार

श्री डी.के.मैती, प्रबंधक निदेशक, पं.बं.म.नि, कोलकाता

संघशासित पुदुचेरी, यानम

श्री सुब्बराजु, सहायक अभियंता
श्री के.ज्योति राजु, कनिष्ठ अभियंता

राष्ट्रीय मत्सयपालन विकास बोर्ड, हैदराबाद

श्री कृष्णय्या, मुख्य कार्यपालक
श्री डॉ. उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक (तकनीकी)

अन्य

श्री रघुपति भट्ट, विधायक, उडुपि जिला, कर्नाटक्
मल्पे मात्स्यिकी बंदरगाहके मछुवारों के संघ के प्रतिनिधि
महाराष्ट्र के रत्नागिरि के मात्स्यिकी कालेज के छात्र

7.0 प्रकाशन

वार्षिक रिपोर्ट 2008-09

8.0 प्रशासन एन वित्त

संस्थान के प्रधान निदेशक हैं और उनकी सहायता के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद हैं।

9.0 बजट एवं व्यय

वर्ष 2009-10 के योजनेतर बजट अनुमान रु. 218 लाख और संशोधित बजट रु. 230 लाख की अपेक्षा रु. 186.93 लाख खर्च किए गएं और योजना के अधीन बजट अनुमान रु. 10 लाख एवं संशोधित अनुमान रु. 10 लाख की अपेक्षा कुल रु.9.98 लाख खर्च किए गएं।

10.0 राजभाषा कार्यान्वयन / हिंदी शिक्षण योजना

भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार, संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित कई क्रियाकलाप संपन्न हुए।

निम्नलिखित सदस्यों से युक्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है और समय समय पर समिति की बैठक आयोजित की गई और हिंदी पत्राचार के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा की गई।

सर्वश्री

च.ति बेटगेरी, निदेशक	अध्यक्ष
ना.अण्णामलै, उपनिदेशक (आर्थिक)	सदस्य
मोहम्मद अलीम पाषा, प्रशासनिक अधिकारी	सदस्य
पी.एन अच्चुत प्रसाद, उ.श्रे.लि	सदस्य

संस्थान में दिनांक 12.09.2009 को हिंदी दिवस एवं दिनांक 16 और 30 सितंबर 2009 की बीच की औधि में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया।

11.0 संशोधित कैरियर प्रगति गारंटी योजना (एम.ए.सी.पी) का कार्यान्वयन

संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संशोधित कैरियर प्रगति गारंटी योजना (एमएसीपी) के अधीन वित्तीय बढोतरी प्रदान करने के मामलों पर विचार करने हेतु, विभागीय स्क्रीनिंग समिति का गठन किया गया।

संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संशोधित कैरियर प्रगति गारंटी योजना (एमएसीपी) के अधीन वित्तीय बढोतरी प्रदान करने के संबंध में विचार करने हेतु 10 जनवरी 2010 को समिति की बैठक संपन्न हुई।

12.0 पदोन्नति / नियुक्ति

श्री एम. आनंद, स्टाफ कार चालक (सामान्य), को दिनांक 15 सितंबर 2009 से स्टाफ कार चालक (ग्रेड-।।) पद में पदोन्नति प्रदान की गई।

13.0 सेवा निवृत्ति

स्टाफ कार चालक (ग्रेड-।।) श्री एम.के.भीमय्या ने दिनांक 31 जुलाई 2010 से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्राप्त कर ली।

14.0 सतर्कता जागृति सप्ताह

दिनांक 03 नवंबर से 07 नवंबर 2009 तक संस्थान में सतर्कता जागृति सप्ताह मनाया गया।

15.0 ग्रंथालय

संस्थान के ग्रंथालय में तकनीकी एवं प्रशासन से संबंधित कई किताबें / जर्नल उपलब्ध हैं।

16.0 तस्वीरें